

गुरुवार

वर्ष: 19 अंक : 197

22 अक्टूबर 2026

पृष्ठ : 8

मूल्य 1.00 रुपये प्रति

प्रकाशन स्थल-देहरादून

RNI NO- UTTHIN/2008/25027

वेबसाइट - www.devpath.in

E-mail: devpath2018@gmail.com

देवपथ

पैनी नज़र

तीखी जुबां

गहरा असर

लोकभाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग जरूरी : मुख्यमंत्री



देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में एआई स्ट्रेटेजिक इंजीनियरिंग (ट्विस्व) फाउंडेशन द्वारा विकसित 'भाषा एआई' पहल के अंतर्गत गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी लोकभाषाओं के वॉइस कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की कुमाऊँनी भाषा में रिकॉर्ड की गई वॉइस

क्लिप से अभियान की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य उत्तराखण्ड की लोकभाषाओं को एआई से जोड़कर उनके संरक्षण, संवर्धन और डिजिटल माध्यमों पर उपयोग को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री ने एआईएसई फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हमारी बोली-भाषाएं हमारी पहचान हैं। अपनी पहचान को बनाए रखने तथा लोककला, संस्कृति

और परंपराओं के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और भविष्य में इसका दायरा और व्यापक होगा। ऐसे में हमें अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को भी इस तकनीक के अनुरूप विकसित करना होगा, ताकि हमारी समृद्ध भाषाई विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के दूर-दराज के गांवों और क्षेत्रों में रहने वाला व्यक्ति भी अपनी बोली-भाषा के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सके और अपनी बात आसानी से सरकार तक पहुंचा सके। इसके लिए आवश्यक है कि एआई हमारी स्थानीय भाषाओं को सही ढंग से समझ सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों का व्यापक संग्रह तैयार करने के साथ ही उनके सही उच्चारण और बोलने की शैली को भी एआई से जोड़ना होगा। इससे एआई हमारी बोली-भाषाओं को बेहतर ढंग से समझ सकेगा और लोगों को उनकी स्थानीय भाषा में सटीक जानकारी

उपलब्ध करा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में एक ही शब्द का उच्चारण अलग-अलग ढंग से किया जाता है। पोर्टल के माध्यम से जानकारी अपलोड करने से एआई को स्थानीय भाषाओं के शब्दों, उच्चारण और बोलने की विविध शैलियों को समझने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल हमारी लोकभाषाओं के संरक्षण के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को अपनी लोककला, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस कार्य से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पद्मश्री लोकगायक प्रीतम भरतवाण ने कहा कि हमारी लोकभाषाओं में लोकजीवन, लोकगीत, जागर और सांस्कृतिक परंपराओं की समृद्ध विरासत समाहित है। जागर अकादमी इस पहल में स्थानीय भाषाओं के सही उच्चारण और उनकी मौलिकता

मुख्यमंत्री ने गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी लोकभाषाओं के वॉइस कलेक्शन पोर्टल का किया शुभारंभ
मुख्यमंत्री की कुमाऊँनी वॉइस विलप से हुई अभियान की शुरुआत

को बनाए रखने में सहयोग करेगी।

एआईएसई फाउंडेशन के संस्थापक सचिव नंदन सेमवाल ने बताया कि 'भाषा एआई' पहल के माध्यम से गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी लोकभाषाओं के शब्दों एवं आवाजों का संग्रह तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य में एआई आधारित तकनीक को इन लोकभाषाओं में संवाद करने में सक्षम बनाना है।

इस अवसर पर शक्ति प्रसाद भट्ट, गजेंद्र नौटियाल, अनिरुद्ध रैथवान, निधि सेमवाल, अनिल गोदियाल, डॉ. जे.के. पांडे एवं देव रतूड़ी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

टपकेश्वर से कांग्रेस की न्याय यात्रा शुरु, प्रीतम सिंह संभालेंगे कमान



देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। उत्तराखण्ड में सियासी पारा चढ़ाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने मैदान संभाल लिया है। चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में आज राजधानी देहरादून से 'न्याय यात्रा' का औपचारिक आगाज हो गया। यात्रा

की शुरुआत से पहले कांग्रेस नेताओं ने प्रसिद्ध टपकेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद राजपुर और मसूरी विधानसभा क्षेत्रों में पदयात्रा निकालकर पार्टी ने जनता के बीच सीधी दस्तक दी है। टपकेश्वर मंदिर में आशीर्वाद लेने के बाद कांग्रेस का काफिला शहर के प्रमुख इलाकों की ओर बढ़ा। राजपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले चौक, घंटाघर और पलटन बाजार जैसे व्यस्त इलाकों में नेताओं ने पदयात्रा निकाली और राजीव गांधी कॉम्प्लेक्स तक जनसंपर्क किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने आम जनता की समस्याओं को करीब से जानने और उनके

हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ने का संकल्प दोहराया। कांग्रेस इस यात्रा को सिर्फ एक औपचारिकता नहीं बल्कि एक व्यापक जनसंपर्क अभियान के रूप में देख रही है। पार्टी की रणनीति के मुताबिक, देहरादून के बाद आने वाले दिनों में सहसपुर, विकासनगर, चकराता, धर्मपुर, कैंट और ऋषिकेश समेत उत्तराखंड की अन्य विधानसभा सीटों पर भी यह यात्रा पहुंचेगी। विपक्षी दल का दावा है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि है और बढ़ती समस्याओं के खिलाफ विपक्ष अपनी जिम्मेदारी पूरी मुस्तैदी से निभाएगा। यात्रा के दौरान प्रीतम सिंह के साथ जोत सिंह गुनसोला, लालचंद शर्मा, सूर्यकांत धरमाना, गरिमा मेहरा दसौनी और महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर, मनमोहन शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी का साफ कहना है कि जनता के दुख-दर्द और अधिकारों की रक्षा के लिए यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा। प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में इस पदयात्रा को आगामी सियासी समीकरणों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस सेवा दल के अतिरिक्त मुख्य संगठक/उपाध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने माननीय प्रीतम सिंह को सेवा दल की टोपी पहनाई और प्रीतम सिंह ने समस्त वरिष्ठ नेताओं को सेवा दल की टोपी पहनाकर न्याय यात्रा का शुभारंभ किया और इस अवसर पर प्रीतम सिंह ने कहा कि कांग्रेस सेवा दल हमारी रीढ़ की हड्डी है।

पूर्व प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों बसपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता हुए भाजपाई!

देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में बसपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आज भाजपा का दामन थामा है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, कमल थामने वालों का सैलाब बताता है कि जो कसक मिथक तोड़ने की हरिद्वार में रह गई थी वो इस बार हैट्रिक के साथ टूट जाएगी। क्योंकि मोदी और धामी के नेतृत्व में जारी विकास की यात्रा में लोग अपने अपने दिलों में पीढ़ियों का साथ छोड़ कर आ रहे हैं। बलबीर रोड पार्टी मुख्यालय में हुए इस ज्वाइनिंग कार्यक्रम में बसपा से भाजपा में आने वालों का जोरदार रेला उमड़ा नजर आया। जिसमें बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर नाथी राम ने पिछड़े, अनुसूचित और अल्पसंख्यक समाज के अपने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी के साथ वैचारिक प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री श्री तरुण बंसल ने सभी नवागंतुक सदस्यों पार्टी के विचारों, सिद्धांतों एवं सांगठनिक रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी।



दलेर से माफी मांगे सुबोध उनियाल: अमरजीत

देहरादून (आरएनएस)। नरेन्द्रनगर के कुंजापुरी मेले के प्रकरण को लेकर यूनाइटेड सिख फेडरेशन उत्तराखंड पंजाबी गायक दलेर मेहंदी के समर्थन में उतरा है। फेडरेशन ने सार्वजनिक मंच से दलेर मेहंदी को लेकर कहीं गई मंत्री की टिप्पणी पर भी सख्त एतराज जताते हुए मंत्री सुबोध उनियाल से उनसे माफी मांगने की मांग की है। फेडरेशन अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने कहा कि दलेर मेहंदी एक बड़े गायक हैं, ऑपरेशन होने के कारण उनके साथ स्वास्थ्य समस्या थी। वह चाहते तो अपना

कार्यक्रम रद्द करवा सकते थे। लेकिन अपना कमिटमेंट पूरा करने के लिए वह प्रस्तुति के लिए आ गए। यह उनका बड़प्पन है। कार्यक्रम ठीक चल रहा था और वहां मौजूद लोग कार्यक्रम का आनंद भी ले रहे थे। लेकिन फिर अचानक कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर पहुंच गए। मंत्री ने दलेर मेहंदी पर शराब पीकर कार्यक्रम देने का आरोप लगाया, कई ऐसी बातें थी जो उनकी गरिमा के अनुरूप नहीं थी। 35 लाख रुपये का भी बार-बार जिक्र कर दलेर को शर्मिंदा किया गया।

देहरादून की हवा बिगड़ी, ऋषिकेश में प्रदूषण का स्तर बेहतर

देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून में वायु गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि ऋषिकेश की हवा अपेक्षाकृत साफ बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को देहरादून का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 72 दर्ज किया गया, जबकि ऋषिकेश का एक्यूआई 38 रहा। आंकड़ों के मुताबिक, 20 अक्टूबर को देहरादून का एक्यूआई 50 था, जो बढ़कर 72 पर पहुंच गया। इस तरह शहर की वायु गुणवत्ता अच्छी श्रेणी से निकलकर संतोषजनक श्रेणी में आ गई। वहीं, ऋषिकेश का एक्यूआई 38 रहने से वहां हवा की गुणवत्ता अच्छी श्रेणी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के सामान्य वर्गीकरण में 0 से 50 तक एक्यूआई को अच्छी, जबकि 51 से 100 तक संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। इस लिहाज से देहरादून की हवा में प्रदूषण का स्तर ऋषिकेश की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएँ आयोजित!



पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), पौड़ी गढ़वाल में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट प्राचार्य श्री स्वराज सिंह तोमर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम

प्रभारी श्री प्रमोद नौडियाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन श्री विनय प्रसाद किमोटी ने किया। निर्णायक मंडल में डायट प्रवक्ता डॉ. धनेंद्र सिंह लिंगवाल, श्रीमती रेनू सिंह, श्री दौलत सिंह गुसाई एवं श्री कुंच बिहारी सकलानी शामिल रहे। प्रतियोगिता के चार प्रमुख वर्गों—रोल प्ले, समूह चर्चा, लोकनृत्य एवं पोस्टर प्रतियोगिता—में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोल प्ले में राइका सौली जयहरीखाल प्रथम, पीएम श्री राजीव नवोदय विद्यालय संतुधार ध्वितीय तथा राइका पैडूल पौड़ी तृतीय स्थान पर रहा। समूह चर्चा में जीआईसी जतेश्वर पाबों ने प्रथम, सौर्य नैथानी, पी एम श्री राजीव नवोदय विद्यालय ने द्वितीय तथा अनुष्का, रा इ का खंडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकनृत्य में पीएम श्री राजीव नवोदय विद्यालय संतुधार प्रथम, रा इ का चैलुसैन द्वितीय तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, श्रीनगर तृतीय स्थान पर रहा। पोस्टर प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज चैलुसैन की अनन्या ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज खण्डाह की प्रिया ने द्वितीय तथा पीएम श्री राजीव नवोदय विद्यालय संतुधार की दिया चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण वातावरण रहा और आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

एसबीआई कार्ड और इटर्नल ने सह-ब्रांडेड 'इटर्नल एसबीआई कार्ड' लॉन्च किया

देहरादून (नि०स०)। भारत में केवल क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और इटर्नल लिमिटेड (जिसे पहले ज़ोमैटो लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने इटर्नल एसबीआई कार्ड को लॉन्च करने और इसके लिए 'अर्ली एक्सेस' ('पहले पहुँच') की सुविधा शुरू करने की घोषणा की। यह एक सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है, जिसे इटर्नल और इससे जुड़ी कंपनियों की सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। यह इस श्रेणी के शुरुआती कार्डों में से एक है, जो एक ही इकोसिस्टम के अंतर्गत कई ब्रांडों पर तुरंत छूट प्रदान करता है। इससे ग्राहकों को रोजमर्रा की खरीदारी पर अधिक लाभ मिलेगा और इटर्नल समूह के ब्रांडों के अलावा भी कई अन्य लाभ प्राप्त होंगे। ग्राहक अब ज़ोमैटो, ब्लिंकित और डिस्ट्रिक्ट ऐप्स के माध्यम से पहले आवेदन करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं। 22 अक्टूबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से कार्ड उपलब्ध होने पर उन्हें आवेदन करने के लिए आमंत्रण भेजा जाएगा। कार्डधारकों को ज़ोमैटो, डिस्ट्रिक्ट और ब्लिंकित पर किए गए लेन-देन पर 10% की तत्काल छूट मिलेगी।

डीएस ग्रुप के कैच ने पेश की भारत की पहली जिंजर गार्लिक पेस्ट स्क्वीज़ी बोतल

देहरादून (नि०स०)। अग्रणी एफएमसीजी समूह और बहु-व्यावसायिक कॉर्पोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के लोकप्रिय ब्रांड्स में से एक, कैच सॉल्ट एंड स्पाइसेज ने कैच जिंजर गार्लिक पेस्ट के लिए एक नया टेलीविजन विज्ञापन जारी किया है, जिसके साथ भारत में इस कैटेगरी की पहली स्क्वीज़ी बोतल पेश की गई है। वीएमएल इंडिया द्वारा परिकल्पित यह कैपेन 'स्क्वीज़ी है, ईजी है' लाइन पर आधारित है और रसोई में रोजमर्रा की सुविधा को कम्युनिकेशन के केंद्र में रखता है। अर्नब घटक चौधरी, सीनियर जनरल मैनेजर, मार्केटिंग, कैच सॉल्ट एंड स्पाइसेज, डीएस ग्रुप ने कहा, 'पैकेज्ड जिंजर गार्लिक पेस्ट रसोई की सबसे तेजी से बढ़ती कैटेगरी में से एक है और आज के उपभोक्ता स्वाद से समझौता किए बिना सुविधा चाहते हैं। कैच हमेशा से असली स्वाद का पर्याय रहा है और हमारे जिंजर गार्लिक पेस्ट का टेक्सचर पारंपरिक घर के बने पेस्ट की तरह ही गाढ़ा और दरदरा है, जो इसे रसोई के लिए आदर्श विकल्प बनाता है। इस कैटेगरी में भारत में अपनी तरह की पहली कैच जिंजर गार्लिक स्क्वीज़ी बोतल, भारतीय खाने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों में से एक को बेहद आसान बना देती है, और 'स्क्वीज़ी है, ईजी है' टीवीसी इसी बात को सरलता से सामने रखता है।'।

एयरटेल डिजिटल टीवी ने सोनी विज्ञा के लॉन्च के साथ अपने तमिल मनोरंजन पोर्टफोलियो का किया विस्तार

देहरादून (नि०स०)। इस त्यौहार के माहौल में, जब परिवार एक साथ मिल कर खुशियां मानते हैं, एयरटेल तमिल दर्शकों को मनोरंजन के अधिक विकल्प प्रदान कर रहा है। एयरटेल डिजिटल टीवी ग्राहक, अब नया तमिल चैनल सोनी विज्ञा देख सकते हैं। यह एक नया तमिल मनोरंजन चैनल है, जो स्थानीय संस्कृति और रोजमर्रा की ज़िंदगी से प्रेरित पारिवारिक ड्रामा, रियलिटी शो और ओरिजिनल प्रोग्राम पेश करता है। पोर्टफोलियो में सोनी विज्ञा के जुड़ने से एयरटेल की यह कोशिश और मजबूत होती है कि ग्राहकों को उनकी पसंदीदा भाषा में वही कंटेंट मिले, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। तमिल संस्कृति की जड़ों से जुड़ी कहानियों और पूरे परिवार के लिए तैयार मनोरंजन के साथ, ग्राहक एयरटेल डिजिटल टीवी पर और भी समृद्ध और प्रासंगिक अनुभव पा सकते हैं। त्योहारों के दौरान परिवार के साथ बैठकर टीवी देखने से लेकर रोजमर्रा के मनोरंजन तक, सोनी विज्ञा ग्राहकों को एयरटेल डिजिटल टीवी देखने की एक और वजह देता है। चाहे दमदार ड्रामा हो, दिलचस्प रियलिटी शो हो या संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम— एयरटेल ग्राहकों के लिए उनका पसंदीदा मनोरंजन खोजना और उसका आनंद लेना और आसान बनाता है, जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है।

मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन में सुदृढ़ हो रहा सड़क आधारभूत ढांचा, बीन नदी पुल का 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में प्रदेश में सड़क एवं परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के प्रयासों के तहत बेराज-चीला-हरिद्वार मार्ग पर करीब 23 करोड़ रुपए की लागत से संचालित इस परियोजना का लगभग 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समयसीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह पुल ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच वैकल्पिक मार्ग को अधिक सुगम बनाने के साथ ही यमकेश्वर प्रखंड के डांडामंडल क्षेत्र के 82 गांवों सहित आसपास



के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवागमन की सुविधा को मजबूत करेगा। विशेष रूप से बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से प्रभावित होने वाले आवागमन को सुरक्षित और सुचारु बनाने में यह पुल अहम साबित होगा। इससे स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, रोजगार और रोजमर्रा के कार्यों के लिए आवाजाही में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि बीन नदी पर पुल बनने से वर्षाकाल में नदी के तेज बहाव के कारण प्रभावित होने वाले ग्रामीण संपर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में नदी का जलस्तर बढ़ने पर स्थानीय लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पुल

के निर्माण से बीमार व्यक्तियों को उपचार के लिए ऋषिकेश पहुंचाने, विद्यार्थियों की आवाजाही और ग्रामीणों के दैनिक कार्यों में सुविधा होगी। साथ ही, लंबा वैकल्पिक रास्ता तय करने की जरूरत कम होने से समय और दूरी की बचत होगी। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों और स्थानीय आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुगड्डा निर्भय सिंह ने बताया कि केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) के अंतर्गत इस पुल का निर्माण कराया जा रहा है। अप्रैल 2026 में शुरू हुई परियोजना के तहत बीन नदी पर 150 मीटर लंबा डबल लेन पुल बनाया जा रहा है। पुल में 50-50 मीटर के तीन स्पान होंगे। इसका कैरिजवे 7.5 मीटर चौड़ा रखा गया है, जबकि फुटपाथ सहित पुल की कुल चौड़ाई 12 मीटर होगी। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। परियोजना को फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राजकीय इंटर कॉलेज डामटा में करियर गाइडेंस कार्यक्रम, बालिकाओं को दिया भविष्य का मार्गदर्शन



सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी। चौकी प्रभारी रतन सिंह बिष्ट ने छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को लेकर जागरूक किया और साइबर ठगी से बचने के उपाय व सतर्क रहने के टिप्स दिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य यशवंत कुमार काला ने कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भर बनने के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इस अवसर पर दयाराम थपलियाल, नेपाल सिंह रावत, राजेश भण्डारी, गुडमला वर्मा, रमेश शाह, यशपाल सिंह राणा, चंद्रशेखर मैठाणी, मनोहरी लाल थपलियाल, जीवन सिंह, विशेष्वरी भण्डारी, प्रमिला रावत सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

डामटा (रोबिन वर्मा)। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज डामटा में आज करियर गाइडेंस एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ग्राम लोदन, बड़कोट निवासी युवा उद्यमी एवं समाजसेवी रोविन वर्मा, चौकी प्रभारी डामटा रतन सिंह बिष्ट एवं समाजसेवी दयाराम थपलियाल ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को करियर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। युवा उद्यमी रोविन वर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अपने हुनर और कौशल की पहचान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्वरोजगार के क्षेत्र में कृषि, बागवानी, नर्सरी एवं पोल्ट्री फार्मिंग में किए जा रहे अपने कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और छात्राओं को 12वीं के बाद उपलब्ध करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तथा

CLAT 2027: अंतिम 40 दिनों की सटीक रणनीति सिखाएगा देहरादून का 3 दिवसीय बूटकैंप

देहरादून (नि०स०)। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (NLUs) में प्रवेश की दौड़ में शामिल कानून अभ्यर्थियों के लिए अंतिम 40 दिनों की तैयारी सबसे निर्णायक मानी जाती है। इसी समय प्रबंधन और सटीक रिवीजन रणनीति को केंद्र में रखते हुए 'लॉ प्रेप ट्यूटोरियल' देहरादून में 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक तीन दिवसीय विशेष 'CLAT 2027 बूटकैंप' का

आयोजन करने जा रहा है। संस्थान में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होने वाले इस गहन अभ्यास सत्र में अभ्यर्थियों को विषयवार रिवीजन के साथ-साथ मॉक टेस्ट एनालिसिस की सुविधा दी जाएगी।

बूटकैंप के पहले दिन, 22 अक्टूबर को छात्रों को अंतिम 40 दिनों में अध्ययन सामग्री को व्यवस्थित करने और दैनिक समय सारणी तैयार करने का रोडमैप दिया जाएगा। इसके

बाद एनालिटिकल रीजनिंग पर विशेष सत्र आयोजित होगा, जिसमें कठिन लॉजिकल पहेलियों को कम समय में हल करने की तकनीक बताई जाएगी। दोपहर के सत्र में छात्रों के लिए एक संपूर्ण मॉक टेस्ट रखा गया है, जिसके तुरंत बाद विस्तृत प्रश्न-उत्तर समीक्षा होगी ताकि अभ्यर्थी परीक्षा हॉल के दबाव और अपनी व्यक्तिगत गलतियों की पहचान पहले ही दिन कर सकें।

सचिवालय में महिला अधिकारी से अभद्रता का आरोप, उपनल कर्मी पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड सचिवालय में तैनात एक महिला अनुभाग अधिकारी के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और धमकी देने का मामला सामने आया है। आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग की महिला अधिकारी की शिकायत पर नगर कोतवाली पुलिस ने सहकारिता विभाग में तैनात एक उपनल कर्मी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(2), 352, 78 और 79 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला अधिकारी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारी ने फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से उनसे संपर्क करने का प्रयास किया था। परेशान होकर उन्होंने उसे ब्लॉक कर दिया, लेकिन इसके बाद भी आरोपी कथित तौर पर उनके मोबाइल पर बार-बार फोन करता रहा। बाद में उन्होंने उसका नंबर भी ब्लॉक कर दिया। शिकायत के मुताबिक, 16 अक्टूबर को आरोपी कथित तौर पर नशे की हालत में आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग के कार्यालय पहुंचा। वहां उसने महिला अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। आरोप है कि उसने महिला अधिकारी को देख लेने की धमकी भी दी। महिला अधिकारी का कहना है कि इस घटना के बाद वह मानसिक रूप से परेशान हो गई और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी। शिकायत में बताया गया है कि जब कार्यालय में मौजूद सहकर्मियों ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया तो वह सचिवालय परिसर से बाहर भाग गया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। शिकायत के अनुसार, इस दौरान आरोपी के साथ मारपीट भी हुई। बताया गया है कि उसे सचिवालय में उसकी तैनाती से भी हटा दिया गया है।

महिला अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारी कई दिनों से उनका पीछा कर रहा था। उन्होंने बताया कि वह दोपहिया वाहन से घर से कार्यालय आती-जाती हैं। ऐसे में उन्हें आशंका है कि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है।



नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं : सीएम योगी आदित्यनाथ



लखनऊ (आरएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदान हुए पुलिस कर्मियों को नमन किया। उन्होंने नए उत्तर प्रदेश में आए बदलाव की तस्वीर भी एक्स पर साझा करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिस कर्मियों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर पुलिस कर्मियों का शौर्य, साहस और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार के कृत्यों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में माफिया राज था। उस समय अराजक तत्वों के हौसले इतने बुलंद थे कि मथुरा के जवाहर बाग में कानून की रक्षा करते हुए वीर पुलिस अधिकारियों को प्राणों का बलिदान देना पड़ा। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की स्वतंत्रता मिली है। 2.26 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, 7 बड़े शहरों में कमिश्नरी प्रणाली, प्रत्येक जनपद में साइबर थाने तथा प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 88,973 अपराधियों पर कार्रवाई और 715 हजार करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति की जब्ती अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि हमारा संकल्प है कि वीर पुलिस कर्मियों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग को सदैव स्मरण रखते हुए हम उत्तर प्रदेश को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और भयमुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

लद्दाख पीठ का उद्घाटन, अब लेह-करगिल के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुप्रीम कोर्ट में रख सकेंगे पक्ष

श्रीनगर। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने रविवार को लेह में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की लद्दाख पीठ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने लद्दाख के दूरदराज और दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच आसान बनाने की पहल की घोषणा की। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लेह और करगिल के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली आए बिना सर्वोच्च न्यायालय में अपने पक्ष रख सकेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लद्दाख पीठ में कार्यरत वकीलों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की समुचित सुविधाएं उपलब्ध होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय लद्दाख से संबंधित मामलों को एक ही दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। इन मामलों की सुनवाई भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। इससे क्षेत्र के वकीलों और मुकदमा लड़ने वाले लोगों को लंबी दूरी तय करने तथा यात्रा पर होने वाले खर्च से राहत मिलेगी। लेह के मेलंगथोंग स्थित उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि उनकी इच्छा है कि लेह और करगिल के अधिवक्ता लद्दाख में रहते हुए ही सर्वोच्च न्यायालय में मामलों पर बहस कर सकें। इससे मुकदमे से जुड़े लोगों का समय बचेगा और दिल्ली आने-जाने का आर्थिक बोझ भी कम होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लद्दाख की भौगोलिक स्थिति और दुर्गम रास्ते वहां के नागरिकों को देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंचने से न रोके।

श्मीर में तैनात सेना का अफसर, पत्नी ने चीन को लीक कर दी खुफिया जानकारी; नियमों की खामी आई सामने

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी की पत्नी के खिलाफ विदेशी खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने के गंभीर आरोप में केस दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सूचनाएं जुटाई और उन्हें विदेशी खुफिया एजेंटों के साथ साझा किया। सूत्रों के मुताबिक, जिन विदेशी एजेंटों को यह गोपनीय डाटा भेजा गया, उनमें चीन से जुड़े संदिग्ध लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस खुलासे के बाद सुरक्षा और खुफिया महकमों में हड़कंप मच गया है।

सोशल मीडिया पर सेना के सख्त नियमों में बड़ा लूपहोल

इस सनसनीखेज मामले ने सेना के सोशल मीडिया प्रोटोकॉल और नियमों में मौजूद एक बहुत बड़ी खामी को सतह पर ला दिया है। भारतीय सेना में सेवारत जवानों और अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर बेहद कड़े कायदे-कानून तय हैं, लेकिन यही नियम अधिकारियों के परिजनों, पत्नियों और बच्चों पर सीधे तौर पर लागू नहीं होते। इसी कानूनी व प्रशासनिक छूट का फायदा उठाकर संवेदनशील जानकारी में संधमारी किए जाने का अंदेशा गहरा गया है।

जवानों पर लोकेशन टैगिंग से लेकर अनजान कॉन्टैक्ट्स तक पाबंदी

सुरक्षा नियमों के तहत सेना में तैनात किसी भी कर्म को सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदा लोकेशन टैग करने या सैन्य प्रतिष्ठानों से जुड़ी जानकारी सांसारिक करने की सख्त मनाही है।

दलेर मेहंदी के समर्थन में उतरे अनुपम खेर, उत्तराखंड के मंत्री के बर्ताव पर जताई आपत्ति

मुंबई (आरएनएस)। दिग्गज गायक

दलेर मेहंदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर उनसे बहस करते नजर आ रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद अभिनेता अनुपम खेर ने दलेर मेहंदी के समर्थन में आवाज उठाई। अनुपम खेर ने मंत्री के बर्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर मंत्री जी को गायक के गानों या परफॉर्मंस से कोई परेशानी भी थी, तो उन्हें सार्वजनिक मंच पर इस तरह अपमानजनक लहजे में बात नहीं करनी चाहिए थी। अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह दलेर मेहंदी को पिछले 20-30 सालों से जानते आ रहे हैं। उन्होंने गायक के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई, उनकी प्रोफेशनलिज्म का बचाव किया और मनोरंजन जगत के लोगों से उनके सार्वजनिक अपमान के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। अभिनेता ने कहा, मैं वहां मौजूद नहीं था, इसलिए मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि क्या हुआ लेकिन मैं दलेर मेहंदी को पिछले 20-30 सालों से जानता हूँ और मैं कह सकता हूँ कि जहां तक मुझे पता है, वह शराब नहीं पीते। वह सबसे बेहतरीन ईंसानों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूँ। हो सकता है कि उस समय उनकी तबीयत ठीक न हो। मुझे निजी तौर पर पता है कि दलेर पिछले दो-तीन साल से ठीक नहीं हैं। हो सकता है कि उनका कमिटमेंट आयोजकों के साथ रहा हो और वह मना न कर पाए हों। यह उनकी प्रोफेशनलिज्म है कि वह अपने कमिटमेंट पर टिके रहे और हो सकता है कि उसी के चलते वह लिप-सिंक कर रहे हों।

मंच पर गायक से बात करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए अनुपम खेर ने कहा, मुझे बस इस बात का बुरा लगा कि किसी को भी किसी से इस तरह बात नहीं करनी चाहिए, खासकर खुले मंच पर। इस तरह सार्वजनिक



रूप से किसी को बदनाम करना गलत है। अभिनेता ने कहा कि मनोरंजन जगत के लोगों को दलेर मेहंदी के साथ हुए बर्ताव पर बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, दलेर जी मुझे बहुत दुख है और मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री के लोगों को इस पर बात करनी चाहिए। यह सिर्फ मीका की जिम्मेदारी नहीं है कि वह अपने भाई के लिए आवाज उठाएं। सिर्फ उनका बचाव करने के लिए ही नहीं बल्कि कुछ कहने के लिए। हम सभी को उन लोगों के लिए बोलना चाहिए और उनके साथ खड़ा होना चाहिए, जिन्हें हम जानते हैं। अपना समर्थन दोहराते हुए उन्होंने कहा, दलेर जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मुझे आपके फैसले, आपकी प्रोफेशनलिज्म, आपकी अच्छाई और आपकी महानता पर भरोसा है। भगवान आपका भला करे। आप जल्द ठीक हो जाएं क्योंकि मुझे पता है कि आप ठीक नहीं हैं। मुझे दुख है कि आपको इससे गुजरना पड़ा। भगवान आपका भला करे। आप महान हैं और आप सबसे अच्छे

हैं। अनुपम ने कहा कि मंत्री को मंच पर दलेर से इस तरह बात करते देखकर उन्हें दुख हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मंत्री जी, आपको उनकी प्रस्तुति को लेकर शिकायत हो सकती है, गुस्सा भी आ सकता है लेकिन क्या मंच पर जाकर इस तरह उनका अपमान करना जरूरी था? वही बात उनसे अलग बैठकर सम्मान के साथ भी कही जा सकती थी।

दलेर के संगीत में योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, एक कलाकार अपनी कड़ी मेहनत से पहचान और सम्मान कमाता है, इसमें पूरी जिंदगी लग जाती है। दलेर जी ने पिछले पैंतीस सालों से अपने गानों से हम सभी को खुश किया है। उस योगदान की सराहना की जानी चाहिए। अनुपम ने दलेर मेहंदी को एक नेक दिल और प्यार करने वाला इंसान बताया और दोहराया कि जहां तक उन्हें पता है दलेर शराब नहीं पीते। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि दलेर जी को इस घटना से गुजरना पड़ा।

बंगाल में बिना हिंसा चुनाव कराना बड़ी सफलता, अब नशे के खिलाफ होगी जंग : अमित शाह



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार बिना हिंसा के चुनाव हुए। अब 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने का लक्ष्य हासिल करने के लिए काम करेंगे। अमित शाह ने कहा, आज मैं देश की जनता से कहना चाहता हूँ कि सरकार की सभी सेवाओं में यदि कोई सेवा सबसे कठिन है, तो वह पुलिस सेवा है। देश के हर नागरिक के लिए रक्षाबंधन, होली, दीपावली और ईद जैसे त्योहार होते हैं लेकिन पुलिसकर्मियों के लिए कोई त्योहार नहीं होता।

जिस दिन हम सभी अपने परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, उस दिन भी हमारा कोई जवान ड्यूटी पर खड़ा रहकर आंतरिक सुरक्षा की चिंता करता है, कहीं यातायात व्यवस्था संभालता है, तो कहीं लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। अपने जीवन के स्वर्णिम दौर को परिवार से दूर रहकर राष्ट्र को समर्पित करना अपने आप में बहुत बड़ी सेवा है। आज पूरे देश में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां पुलिस के जवानों ने अभूतपूर्व धैर्य, संयम, अनुशासन, वीरता और समर्पण का परिचय देते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है। गृह मंत्री ने कहा, देश में चारों ओर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिहार में चुनावी हिंसा पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है लेकिन पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा की घटनाएं लंबे समय से सामने आती रही हैं। हर चुनाव में 25, 50,

100 और यहां तक कि 200 नागरिकों तक की मौत हो जाती है। अमित शाह ने कहा, मैं सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों को बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूँ कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बिना किसी व्यक्ति की मृत्यु के चुनाव संपन्न कराने में हमारे सुरक्षा जवानों को बड़ी सफलता मिली है। इसके लिए आपने एक नया मानदंड स्थापित किया है। आज पूरा देश चुनावी हिंसा से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। विगत कुछ वर्षों में देश के सामने कई ऐसी समस्याएं थीं, जिनका हम दशकों से सामना कर रहे थे। इनमें से कुछ क्षेत्र आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाते थे। कश्मीर, पूर्वोत्तर और लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र-इन तीनों हॉटस्पॉट में आज शांति का माहौल है, विकास का वातावरण बना है और ये क्षेत्र अब देश के अन्य हिस्सों के साथ विकास की प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

गृह मंत्री ने कहा, कश्मीर में आतंकवाद पर लगभग पूरी तरह अंकुश लगाने में हमें सफलता मिली है। कई दशकों तक हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष के बाद आज पूरा पूर्वोत्तर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। वहीं, पांच दशक पुरानी और अनेक राज्यों में फैली नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने में हमारे पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलवाद की समाप्ति के लिए मैं विशेष रूप से सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवानों को बहुत-बहुत साधुवाद और बधाई देना चाहता हूँ। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ पुलिस ने भी बहुत बहादुरी, दृढ़ता और धैर्य के साथ इस समस्या से निपटने में अपना सर्वस्व समर्पित किया है। मैं छत्तीसगढ़ पुलिस को भी बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूँ। लेकिन मित्रों, देश अभी सभी समस्याओं से मुक्त नहीं हुआ है।



सम्पादकीय

बिगड़ गया व्यापारिक माहौल

अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना संरक्षणवाद काम आया है, और ना खुले व्यापार का रास्ता! एक के बाद एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करना तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। इनसे धारणा बनाई गई कि अब उन समस्याओं का हल निकल आएगा, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को घेरे रखा है। लेकिन मशहूर अमेरिकी थिंक टैंक- सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (सीएसआईएस) के एक अध्ययन पत्र का निष्कर्ष है कि ये समझौते भारत के व्यापार ढांचे या मैनुफैक्चरिंग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में नाकाम रहे हैं। जिन देशों या देश समूहों के साथ करार हुए, उनसे भारत का द्विपक्षीय व्यापार जरूर बढ़ा है, लेकिन निर्यात आधारित विकास की महत्वाकांक्षा को पूरी करने में इनका कोई खास योगदान बनता नहीं दिखता। पत्र में जोर दिया गया है कि भूमि, श्रम, बिजली और जल की आपूर्ति, और विवादों के कुशल न्यायिक समाधान से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। दस्तावेज की दलील है कि इन बिंदुओं पर प्रगति के बिना भारतीय कंपनियां अपेक्षित प्रतिस्पर्धा क्षमता हासिल नहीं कर सकेंगी, जिससे वे एफटीए से मिले बाजार अवसरों का पूरा लाभ उठा सकें। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत संरक्षणवाद को तरजीह दी। इसके तहत शुल्क और गैर शुल्क रुकावटें खड़ी कर घरेलू उत्पादकों को संरक्षण दिया गया। लेकिन इस योजना के परिणाम निराशाजनक रहे। भारतीय जीडीपी में मैनुफैक्चरिंग का योगदान 13-15 प्रतिशत के बीच बना रहा। तब मोदी सरकार ने एफटीए की नीति अपनाई। इस दौरान यू.ए.ई., ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन, ओमान, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यूरोपियन यूनियन से एफटीए करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए। लेकिन इन समझौतों से अपेक्षित लाभ प्राप्त होते नहीं दिख रहे हैं। इस दौरान एक और मुश्किल अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के संरक्षणवादी नीति अपनाने लेने से पेश आई है। इससे पूरी दुनिया का व्यापारिक माहौल बिगड़ गया है। बहरहाल, महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी यह जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के लिए अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना तो संरक्षणवाद काम आया है, और ना ही खुले व्यापार का रास्ता!

खेल प्रतिभा, जुनून, उमंग और प्रतिस्पर्धा का संगम बना पौड़ी, 24वीं विद्यालयी राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शानदार आगाज!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल। जनपद मुख्यालय के कंडोलिया स्थित इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को उत्साह, उमंग और जोश के बीच 24वीं विद्यालयी राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी एवं मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। 22 से 24 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 11 जनपदों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। देहरादून स्पोर्ट्स हॉस्टल के खिलाड़ी भी मुकाबलों में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक वर्ग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर स्थानीय विधायक ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलायी। इसके बाद विधायक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। अतिथियों के कोर्ट में उतरने के साथ ही खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा और आयोजन में खेल भावना का जीवंत रंग देखने को मिला। इस दौरान जीआईसी पौड़ी एवं हिल्स इंटरनेशनल स्कूल पौड़ी के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह में चार चांद लगाए। प्रभारी जिला शिक्षाधिकारी (माध्यमिक) अंशुल बिष्ट ने अतिथियों का स्वागत किया। स्थानीय विधायक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं। विद्यालयी स्तर पर आयोजित ऐसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, अनुभव हासिल करने और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह, मेहनत और खेल भावना के साथ मुकाबलों में उतरने तथा अपने प्रदर्शन से जनपद और प्रदेश का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में सक्रिय भागीदारी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

समस्त पापनाशक पापांकुशा एकादशी

-अशोक 'प्रवृद्ध'

भारतीय पंचांग के अनुसार वर्ष के बारह महीने में होने वाले चौबीस पक्ष के अनुसार वर्ष में चौबीस एकादशियां होती हैं। अधिकमास अर्थात मलमास वाले वर्ष में इनकी संख्या बढ़कर 26 हो जाती है। वर्ष की इन चौबीस एकादशियों में आश्विन मास के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी पापांकुशा एकादशी कहलाती है। यह एकादशी पाप रूपी गज को महावत रूप अंकुश से बेघने के कारण पापांकुशा कहलाती है। वर्ष के प्रत्येक एकादशियों की भांति ही इस दिन भी सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस एकादशी के दिन उपवास, व्रत करने से समस्त पापों का नाश और दिव्य फलों की प्राप्ति होती है। तथा व्रत करने वाला अक्षय पुण्य का भागी होता है। इस वर्ष 2026 में पापांकुशा एकादशी 23 अक्टूबर को मनाई जाएगी। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी के नाम, महिमा, व्रत कथा आदि के संबंध में धर्मराज युधिष्ठिर के द्वारा पूछे जाने पर भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि आश्विन शुक्ल एकादशी पापों पर अंकुश लगाती है। इसलिए यह पापांकुशा एकादशी कहलाती है। समस्त पापों का नाश करने वाली इस एकादशी के दिन विधिपूर्वक भगवान पद्मनाभ की पूजा करने से मनुष्य को मनवांछित फल तथा स्वर्ग की प्राप्ति होती है। लंबी अवधि तक कठोर तपस्या करने से प्राप्त होने वाली फल भगवान गरुडध्वज को नमस्कार करने मात्र से प्राप्त हो जाता है। अज्ञानवश किये अनेक पापों से मुक्ति मनुष्य को सिर्फ विष्णु को नमस्कार करने मात्र से ही मिल जाती है, और वे नरक में नहीं जाते। विष्णु के नाम के कीर्तन मात्र से संसार के सब तीर्थों के पुण्य का फल मिल जाता है। शारंग धनुषधारी भगवान विष्णु की शरण में जाने वाले लोगों को कभी भी यम यातना भोगनी नहीं पड़ती। वैष्णव होकर शिव की तथा शैव होकर विष्णु की निंदा करने वाले लोग अवश्य नरकवासी होते हैं। सहस्रों वाजपेय और अश्वमेध यज्ञों से प्राप्त होने वाली फल एकादशी के व्रत के सोलहवें भाग के बराबर भी नहीं होता है। संसार में एकादशी के बराबर कोई पुण्य नहीं, कोई व्रत नहीं। इसके बराबर पवित्र तीनों लोकों में कुछ भी नहीं। पद्मनाभ एकादशी का व्रत नहीं करने वाले लोगों की देह में पाप वास कर सकते हैं। यह एकादशी स्वर्ग, मोक्ष, आरोग्यता, सुंदर स्त्री तथा अन्न और धन देने वाली है। एकादशी के व्रत के बराबर गंगा, गया, काशी, कुरुक्षेत्र और पुष्कर भी पुण्यवान नहीं हैं। एकादशी का व्रत करने और जागरण करने से सहज ही में मनुष्य विष्णु पद को प्राप्त होता है। इस व्रत के करने वाले व्रतियों के दस पीढ़ी मातृ पक्ष, दस पीढ़ी पितृ



पक्ष, दस पीढ़ी स्त्री पक्ष तथा दस पीढ़ी मित्र पक्ष का उद्धार हो जाता है। वे दिव्य देह धारण कर चतुर्भुज रूप में पीतांबर पहने और हाथ में माला लेकर गरुड़ पर चढ़कर विष्णुलोक को जाते हैं। बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था में इस व्रत को करने से पापी मनुष्य भी दुर्गति को प्राप्त न होकर सद्गति को प्राप्त होता है। व्रत करने वाले अंत समय में हरिलोक को प्राप्त होते हैं तथा समस्त पापों से मुक्त हो जाते हैं। सोना, तिल, भूमि, गौ, अन्न, जल, छतरी तथा जूती दान करने से मनुष्य यमराज को नहीं देखता। किसी प्रकार के पुण्य कर्म किए बिना जीवन के दिन व्यतीत करने वाला व्यक्ति लोहार की भट्टी की तरह सांस लेता हुआ निर्जीव के समान ही है। निर्धन मनुष्यों को भी अपनी शक्ति के अनुसार दान करना चाहिए। विष्णु भक्ति व दान करने वाले मनुष्यों को यम का द्वार नहीं देखना पड़ता तथा संसार में दीर्घायु होकर धनाढ्य, कुलीन और रोगरहित रहते हैं।

वर्ष की प्रत्येक एकादशियों की भांति ही इस आश्विन शुक्ल एकादशी के संबंध में भी पौराणिक कथा प्रचलित है, जो जीवन भर पाप कर्म में निर्लस रहने वाले एक क्रूर बहेलिये से संबंधित है। वह क्रूर बहेलिया जीवन के अंत समय में यमदूतों के आने पर यम संकट से बचने के लिए ऋषि अंगिरा के पास जाता है, जो उसे आश्विन शुक्ल पक्ष की पापांकुशा एकादशी का व्रत करने की सलाह देते हैं। यह व्रत करने से वह पापों से मुक्त होता है और भगवान विष्णु की कृपा से उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा के अनुसार प्राचीन काल में विंध्य पर्वत पर स्वभाव से अत्यंत क्रूर क्रोधन नाम का एक बहेलिया रहता था, जिसने अपना सम्पूर्ण जीवन हिंसा, लूटपाट, मद्य पान और गलत संगति जैसे पाप कर्मों में ही व्यतीत किया था। उसके जीवन का अंतिम समय आने पर यमराज के दूत उसे लेने पहुंचे और बताया कि कल उसका अंतिम दिन है। यह सुनकर बहेलिया अत्यंत भयभीत हो गया और ऋषि अंगिरा के आश्रम में पहुंचा। वहां उसने ऋषि के चरणों में गिरकर प्रार्थना करते हुए बताया कि उसने जीवन भर बहुत पाप

किए हैं, और अब अंत समय आ गया है। आप कोई ऐसा उपाय बताने की कृपा करें, जिससे उसके पाप मिट जाएं और उसे मोक्ष मिल सके। तब ऋषि अंगिरा ने उसे आश्विन शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का व्रत करने की सलाह दी। बहेलिये ने ऋषि अंगिरा के बताये अनुसार पूरी विधि-विधान के साथ इस व्रत का पालन किया। इस व्रत के प्रभाव से उसके सभी पाप कर्मों का नाश हो गया और उसे श्रीविष्णु का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इसके बाद उसे बैकुंठ धाम की प्राप्ति हुई। यमदूत उसे लेने के लिए पहुंचे, तो उसे बिना किसी दंड के यमलोक ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। श्रीकृष्ण ने कथा समाप्ति पश्चात युद्धिष्ठिर से कहा कि पापांकुशा एकादशी व्रत के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन के सभी पापों से मुक्ति पाता है। यह व्रत सुख, समृद्धि और सौभाग्य प्रदान करता है। इस एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और उसे बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। इस दिन मनुष्य को पापों से बचने का दृढ़ संकल्प करना चाहिए। भगवान विष्णु का ध्यान, स्मरण किसी भी रूप में सुखदायक और पापनाशक है, परंतु पापांकुशा एकादशी के दिन विष्णु का स्मरण-कीर्तन सभी क्लेशों व पापों का शमन कर देता है। एकादशी के दिन रात्रि जागरण का बड़ा महत्व है। संभव हो तो रात में जगकर भगवान का भजन कीर्तन करें। एकादशी के दिन विष्णुसहस्रनाम का पाठ करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को ब्राह्मण भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करना चाहिए। पद्म पुराण के अनुसार इस दिन श्रद्धा पूर्वक सोना, तिल, भूमि, गौ, अन्न, जल, जूते और छाते का दान करने वाले के उसके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा होती है और उसे यमराज के भय से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन रात्रि में जागरण करके प्रभु का भजन और पूजा अर्चना करने वाला व्यक्ति स्वर्ग का भागी बनता है।

एसएसपी देहरादून डोभाल के रोडमैप के अनुसार 'पुलिस आपके द्वार' कार्यक्रम केवल स्कूलों तक सीमित नहीं रहेगा। विकासनगर सहित जनपद के सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमें अब रिहायशी कॉलोनियों, ग्रामीण इलाकों और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर संवाद स्थापित करेंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के मन से पुलिस का झिझक भरा डर दूर करना और उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में बिना झिझके मदद मांग सकें।

गले में खराश है? इन 5 घरेलू उपायों से पाएं राहत

मौसम बदलते ही बढ़ रही है

गले में खराश?

यह आसान आयुर्वेदिक उपाय दिलाए तुरंत राहत!

आसान उपाय

तुलसी के पत्ते
7-8 पत्ते

अदरक
1/2 इंच टुकड़ा

शहद
1 चम्मच

सभी को अच्छी तरह उबालें और गुनगुना होने पर शहद मिलाएं। दिन में 2-3 बार पिएं।

फायदे

गले की खराश में राहत

सूजन कम करें

इन्फेक्शन से बचाव

इम्युनिटी को बढ़ाएं

गले में खराश एक आम समस्या है, जो अक्सर सर्दी या संक्रमण के कारण होती है। इससे गले में जलन और दर्द महसूस होता है। इसके लिए कई घरेलू उपाय मौजूद हैं, जिनमें कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन खासतौर पर फायदेमंद हो सकता है। इस लेख में हम आपको 5 ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जिनका सेवन गले की खराश को कम करने में मदद कर सकता है और आपको आराम दे सकता है।

शहद का सेवन करें

शहद एक प्राकृतिक औषधि है, जो गले की खराश को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होते हैं।

शहद को गर्म पानी या चाय में मिलाकर पीने से गले की जलन कम होती है और आराम मिलता है।

इसके अलावा शहद का सेवन करने से गले की सूजन भी कम होती है और आपको राहत मिलती है।

अदरक की चाय पिएं

अदरक की चाय में ऐसे गुण होते हैं, जो गले की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। अदरक में मौजूद तत्व बैक्टीरिया को मारने का काम करते हैं।

गर्म पानी में थोड़ी सी कटी हुई अदरक डालकर उबालें, फिर इसे छानकर उसमें शहद मिलाएं और पिएं। यह मिश्रण न केवल गले की खराश को कम करता है,

बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

तुलसी की पत्तियां चबाएं

तुलसी की पत्तियां ऐसे गुणों से भरपूर होती हैं, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होते हैं। तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और गले की खराश कम होती है।

इसके अलावा तुलसी की पत्तियां पाचन क्रिया को भी सुधारती हैं और शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती हैं।

लहसुन का इस्तेमाल करें

लहसुन में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं। लहसुन को कच्चा चबाना या उसके रस को पानी में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।

यह न केवल गले की खराश को कम करता है बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

इसके अलावा लहसुन का सेवन करने से शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करें

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करने से गले की सूजन कम होती है और आराम मिलता है। नमक में ऐसे गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को मारने में सहायक होते हैं। इन घरेलू उपायों का नियमित रूप से पालन करके आप अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं और जल्द ही स्वस्थ हो सकते हैं।

कांग्रेस की न्याय यात्रा शुरू, बदरीनाथ धाम में पूजा अर्चना के बाद जोशीमठ, पीपलकोटी होते हुए चमोली पहुंचेगी

बदरी विशाल के दरबार से उठी न्याय की यह आवाज पूरे गढ़वाल, कुमाऊं और तराई तक गूंजेगी। जनता के अधिकारों, न्याय और उत्तराखंड की अस्मिता की इस लड़ाई को जन-जन तक पहुंचाकर इस जनविरोधी एवं संस्कृति विरोधी भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। कांग्रेस की न्याय यात्रा बदरीनाथ धाम में पूजा अर्चना के बाद जोशीमठ, पीपलकोटी होते हुए चमोली पहुंचेगी। इसके बाद नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, गौचर होते हुए रुद्रप्रयाग पहुंचेगी। बाद में चौबट्टाखाल के सतपुली, यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र और कोटद्वार में न्याय यात्रा निकाली जाएगी। 25 अक्टूबर को लैंसडाउन के बीरोंखाल मे न्याय यात्रा का आयोजन किया गया है। 26 अक्टूबर को गैरसैंण में विधानसभा घेराव की तैयारी को लेकर बैठक भी होने जा रही है। 24 अक्टूबर को विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के सतपुली, यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र और कोटद्वार में न्याय यात्रा निकाली जाएगी। 25 अक्टूबर को लैंसडाउन के बीरोंखाल मे न्याय यात्रा का आयोजन किया गया है। 26 अक्टूबर को गैरसैंण में विधानसभा घेराव की तैयारी को लेकर बैठक भी होने जा रही है। बता दें कांग्रेस चार चरणों में न्याय यात्रा निकाल रही है। एक दल आज नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पश्चिम बंगाल प्रभारी प्रकाश जोशी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी और विधायक तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में अल्मोड़ा के गोल्डन मंदिर में पूजा अर्चना के साथ इसका शुभारंभ करेगा।

पोखरी खादी मेले में स्कूली बच्चों और महिला मंगल दलों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बाधा समां

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। चमोली जिले के पोखरी में आयोजित 20वें हिमवत

कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल खादी पर्यटन किसान विकास मेले में स्कूली छात्र-छात्राओं और महिला मंगल दलों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकारों ने लोकगीतों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की लोक संस्कृति की मनमोहक झलक पेश की। उनकी शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरा मेला परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच मिला। मेले में आयोजित इन कार्यक्रमों ने लोगों का भरपूर मनोरंजन करने के साथ ही क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का संदेश भी दिया। महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती और मंदोदरी पन्त और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र भंडारी ने पुरुस्कार देकर सम्मानित किया।

मेघ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते हैं। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूब्रू के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते हैं। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें हैं तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें हैं तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते हैं। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

रणबीर कपूर की रामायण में जटायु बनकर आए अनुपम खेर

रणबीर कपूर अभिनीत पौराणिक फिल्म 'रामायण: भाग 1' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। फिल्म के निर्माताओं ने अब दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर के किरदार जटायु का पहला पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में पक्षीराज जटायु का प्रभावशाली रूप देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही उन चर्चाओं पर भी विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि अनुपम खेर ने फिल्म में केवल अपनी आवाज दी है। नए पोस्टर से स्पष्ट हो गया है कि अभिनेता जटायु के किरदार से फिल्म का हिस्सा होंगे।

निर्माता नमित मल्होत्रा की इस फिल्म में जटायु के पोस्टर को 'धर्म के पंख' नाम दिया गया है। पोस्टर में जटायु की गहरी नजर और विशाल पंख दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे के भावों के माध्यम से साहस, निष्ठा और सत्य के लिए संघर्ष करने का संकल्प दर्शाने की कोशिश की गई है।

जटायु के पोस्टर को गति-अंकन तकनीक और कंप्यूटर जनित दृश्य प्रभावों की मदद से तैयार किया गया है। इसके माध्यम से अनुपम खेर के चेहरे के हाव-



भाव और अभिनय को जटायु के चेहरे पर उतारा गया है। निर्माताओं ने पोस्टर के साथ लिखा, जब बुराई ने उड़ान भरी, तो साहस ने उसका मुकाबला किया। उसने विजय के लिए नहीं, बल्कि सत्य के लिए संघर्ष किया। जटायु। धर्म के पंख।

पोस्टर में जटायु का प्रभावशाली रूप उनके

साहस और धर्म के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है। फिल्म में इस महत्वपूर्ण पात्र को किस तरह प्रस्तुत किया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

रामायण की कथा में जटायु का महत्वपूर्ण स्थान है। जब रावण माता

सीता का हरण कर उन्हें लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने का प्रयास किया था। रावण की अपार शक्ति से परिचित होने के बावजूद जटायु ने हार नहीं मानी और माता सीता की रक्षा के लिए उससे युद्ध किया। इस संघर्ष में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

जटायु का यह बलिदान साहस, निष्ठा और धर्म के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि रामायण की कथा में उनका प्रसंग विशेष महत्व रखता है। फिल्म में अनुपम खेर के अभिनय और आवाज के माध्यम से इस

पात्र को बड़े पर्दे पर जीवंत करने की तैयारी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण: भाग 1' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेता यश रावण और सनी देओल हनुमान की भूमिका निभाएंगे। रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्म में लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा सहित कई अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्माताओं ने रामायण की कथा को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए फिल्म को दो भागों में बनाने की योजना तैयार की है।

नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो ने इस फिल्म का निर्माण डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगा, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 पर रिलीज करने की योजना है।

फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इसे आईमैक्स प्रारूप में भी प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म के अलग-अलग पात्रों के पोस्टर सामने आने के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ रही है। अब अनुपम खेर के जटायु रूप ने फिल्म को लेकर चर्चा और तेज कर दी है।

आनंद एल राय की फिल्म नखरेवाली ओटीटी पर देगी दस्तक, खत्म होगा लंबा इंतजार



बॉलीवुड निर्माता आनंद एल. राय की रोमांटिक हास्य फिल्म 'नखरेवाली' आखिरकार दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। वर्ष 2024 में घोषित इस फिल्म का निर्देशन राहुल शंकल्या ने किया है। फिल्म के जरिए अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव को नए कलाकारों के रूप में पेश करने की योजना थी। पहले इसे वैंलेंटाइन दिवस के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन किसी कारणवश इसकी रिलीज

टल गई। अब खबर है कि फिल्म सिनेमाघरों के बजाय सीधे ओटीटी मंच पर प्रदर्शित की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्धारित सिनेमाघर रिलीज की तारीख से करीब दो साल बाद 'नखरेवाली' नवंबर 2026 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। हालांकि, इसकी निश्चित तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। फिल्म की डिजिटल रिलीज को लेकर दर्शकों को आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

मैथ्री मूवी मेकर्स की नई प्रेम कहानी का शीर्षक जल्द होगा जारी

दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में एक नई प्रेम कहानी दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। फिल्म निर्माता कंपनी मैथ्री मूवी मेकर्स अपनी आगामी रोमांटिक फिल्म का शीर्षक जल्द जारी करने वाली है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता श्रीकांत की बेटी मेधा मेका बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत करेंगी। फिल्म में जय जस्ती मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि पृथ्वी वनम इस परियोजना के साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में इसका नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में जय जस्ती और मेधा मेका रोमांटिक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही निर्माताओं ने जल्द ही फिल्म के शीर्षक का खुलासा करने का संकेत दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म की घोषणा के समय जारी किए गए पहले पोस्टर में अंश दुग्गल को लहंगे में और प्रगति श्रीवास्तव को नीले रंग के सूट में दिखाया गया था। पोस्टर से एक अलग अंदाज की प्रेम कहानी का संकेत मिला था, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता पैदा की थी।

'नखरेवाली' की घोषणा के समय इसे अंश दुग्गल की पहली बॉलीवुड फिल्म बताया गया था। हालांकि, फिल्म की रिलीज में देरी के कारण अंश हाल ही में आलिया भट्ट द्वारा निर्मित फिल्म 'डॉट बी शाय' में नजर आ चुके हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस तरह रिलीज के क्रम में 'नखरेवाली' अंश की दूसरी फिल्म बन सकती है, जबकि इसे उनके करियर की पहली फिल्म के रूप में पेश करने की योजना थी।

फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। रोमांस और हास्य से भरपूर इस फिल्म के जरिए नए कलाकारों को दर्शकों के सामने लाने की तैयारी की गई थी। आनंद एल. राय हिंदी सिनेमा में प्रेम कहानियों पर आधारित फिल्मों के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने 'तनु वेड्स मनु' और 'रांझणा' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उनकी फिल्मों में प्रेम, रिश्तों और भावनाओं को अलग अंदाज में प्रस्तुत किया जाता रहा है। अब 'नखरेवाली' की डिजिटल रिलीज की खबर के बाद दर्शकों की निगाहें इसकी आधिकारिक तारीख पर टिकी हैं। यदि नवंबर 2026 में इसकी रिलीज होती है, तो दर्शक घर बैठे इस नई प्रेम कहानी का आनंद ले सकेंगे।

हंसल मेहता की सीरीज से धमाकेदार वापसी करेंगी बिपाशा बसु



हंसल मेहता अपनी नई वेब सीरीज के जरिए अभिनेत्री बिपाशा बसु को पर्दे पर वापस लेकर आ रहे हैं। यह अमेजन प्राइम वीडियो की ओरिजनल सीरीज होगी, जिसका शीर्षक तय होना बाकी है। कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने मिलकर कहानी लिखी है। इसका निर्माण प्रभलीन संधू ने ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। सीरीज में बिपाशा के अलावा, सनी कौशल और विशाल जेटवा भी मुख्य किरदारों में नजर आएंगे।

ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस सीरीज का ऐलान किया है। उन्होंने कलाकारों और क्रू के साथ की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, बहुत खुशी और कृतज्ञता से भरे दिल के साथ, हम यह साझा करते हुए खुश हैं कि हमने एक और खूबसूरत सिनेमाई सफर की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी कहानी वाकई खास है और हमारे दिलों के बेहद करीब है।

उन्होंने बताया कि कहानी का नाम अभी तय नहीं हुआ। यह सीरीज व्यक्तिगत ईमानदारी और संस्थागत दबाव के बीच संघर्ष पर आधारित एक कहानी होने का संकेत देती है। इसमें सनी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते दिखेंगे, जो अपराध, भ्रष्टाचार और चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी अपने सिद्धांतों को बनाए रखने के संघर्ष करता है। बिपाशा और विशाल के किरदारों को लेकर फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। फिलहाल, सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में अन्य अपडेट आने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने यूपीईएस के 24वें दीक्षांत समारोह में किया प्रतिभाग

देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को बिधौली, देहरादून स्थित यूपीईएस के 24वें दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों को सिल्वर प्लेट पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। अब वे विश्वविद्यालय से निकलकर जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, लगन और निरंतर सीखने की भावना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने परिश्रम और क्षमताओं के बल पर निर्धारित लक्ष्य हासिल करने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में अच्छे कार्य करने और दूसरों की सहायता करने से वास्तविक खुशी एवं संतुष्टि मिलती है। व्यक्ति की असली पहचान उसके व्यवहार, विनम्रता और संस्कारों से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से



जीवन में सदैव सीखने की भावना बनाए रखने और अपने ज्ञान एवं क्षमताओं का उपयोग समाज तथा देश की प्रगति में करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीईएस ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय ने पिछले दो दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश के युवाओं की प्रतिभा, मेहनत और लगन से विकसित भारत का संकल्प अवश्य साकार होगा।

सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी हर क्षेत्र में कर रहे हैं प्रदेश का नाम रोशन: गणेश जोशी



देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज राजकीय इंटर कॉलेज किशनपुर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार-2026 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद देहरादून के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजकीय इंटर कॉलेज सहित विभिन्न राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राजकीय इंटर कॉलेज किशनपुर के विद्यार्थियों का हॉकी

में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को खेल सामग्री भी प्रदान की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार योजना अंत्योदय की भावना का जीवंत प्रतीक है। यह योजना ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर उनकी उपलब्धियों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यालय में विधायक निधि मत से बच्चों के खेलकूद के लिए हॉकी कीट सहित अन्य खेल सामग्री प्रदान की।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार केवल एक पदक या प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का

सम्मान है। उन्होंने कहा कि राजकीय इंटर कॉलेज किशनपुर के विद्यार्थियों की उपलब्धियां और हॉकी में राष्ट्रीय स्तर पर उनका चयन विद्यालय की शैक्षणिक एवं खेल गतिविधियों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब सरकारी विद्यालय इस प्रकार की उपलब्धियां हासिल करते हैं, तो शिक्षकों के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विश्वास और मजबूत होता है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड को शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल साक्षरता बढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना भी है। आज सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी शिक्षा, खेल, विज्ञान, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बाधित न हो।

एमडीडीए का अवैध निर्माणों पर बड़ा प्रहार, छह स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई



देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्राधिकरण क्षेत्र में छह स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई की है। आवासीय कॉलोनियों में बिना अनुमति व्यावसायिक भवन बनाने और स्वीकृत मानचित्र के बिना निर्माण करने के मामलों में प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई की। इस अभियान के तहत हरभजवाला, मेहुवाला माफी, चंद्रमणी रोड और राजपुर रोड स्थित निर्माणों को सील किया गया। एमडीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा है। प्राधिकरण की ओर से स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्यों में निर्धारित नियमों और स्वीकृति की प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। बिना अनुमति निर्माण करने या आवासीय परिसरों में नियमों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भवन तैयार करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरभजवाला से राजपुर रोड तक कार्रवाई

एमडीडीए की टीम ने हरभजवाला क्षेत्र में अशरफ अली द्वारा प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना बनाई जा रही छह दुकानों को सील किया। प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। आवासीय क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुकानों को सील कर दिया गया। इसी क्रम में मेहुवाला माफी, शिमला बाईपास रोड क्षेत्र में शाहिद राव द्वारा किए जा रहे दो अलग-अलग अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की गई। दोनों मामलों में निर्माण कार्य को सील किया गया। इसी क्षेत्र में फरियाज राव द्वारा किए जा रहे एक अन्य अवैध निर्माण पर भी प्राधिकरण ने सीलिंग की कार्रवाई की। वहीं, चंद्रमणी रोड पर पूजा विहार के निकट ललित कश्यप द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे निर्माण को सील किया गया। राजपुर रोड पर साई मंदिर के निकट अमित गर्ग द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए निर्माण स्थल को सील कर दिया गया। प्राधिकरण की यह कार्रवाई शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास सुनिश्चित करने और निर्माण संबंधी नियमों के अनुपालन को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बिना स्वीकृत मानचित्र निर्माण होने से भवन सुरक्षा, भूमि उपयोग और क्षेत्र की नियोजित व्यवस्था से जुड़े सवाल खड़े हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यूपीईएस से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी देश-दुनिया में जहां भी जाएंगे, अपनी प्रतिभा, कार्यक्षमता और उपलब्धियों से उत्तराखण्ड सहित पूरे देश का नाम रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में ढाई लाख से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर विभिन्न विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। इन सुझावों से स्पष्ट होता है कि उत्तराखण्ड के युवा विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हैं और समाज तथा देश से जुड़े मुद्दों पर अपनी सकारात्मक सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूक और प्रतिभाशाली युवा ही किसी भी राज्य और देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल

टेक्नोलॉजी का है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड को शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू किया गया है। आधुनिक शिक्षा के साथ सांस्कृतिक विरासत और जीवन मूल्यों के समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दून विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज' की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए देहरादून में साइंस सिटी का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवा केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें। इसी उद्देश्य से राज्य में स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई व्यय वित्त समिति की बैठक आयोजित

देहरादून, 22 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्य सचिव आनन्द बर्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में 108 एम्बुलेंस सेवा से सम्बन्धित व्यय वित्त समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी, सुदृढ़ एवं जनोपयोगी बनाने के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा सीधे लोगों के जीवन से जुड़ी है। इसलिए निर्धारित मानकों के अनुरूप एम्बुलेंस को अद्यतन रखा जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि पुरानी और निर्धारित अवधि पूरी कर चुकी गाड़ियों को तत्काल बदलने की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने तीन लाख किलोमीटर से अधिक चल चुकी लगभग 50 एम्बुलेंस (108) वाहनों को तत्काल बदले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस को चरणबद्ध तरीके से बदला जाए, लेकिन इसमें अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

मुख्य सचिव ने एम्बुलेंस सेवा की प्रभावी निगरानी के लिए विभागीय स्तर पर भी मॉनिटरिंग मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अलग अलग स्तर पर साप्ताहिक और मासिक आधार पर निगरानी की जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में इसके लिए एक डेडिकेटेड टीम गठित किया जाए, जो सेवा के विभिन्न पहलुओं की नियमित निगरानी एवं विश्लेषण करेगा, ताकि किसी भी प्रकार की कमी या असामान्य स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस के पहुँचने के समय का आकलन केवल एवरेज रिस्पांस टाइम के आधार पर न किया जाए, बल्कि प्रत्येक मामले में एम्बुलेंस के पहुँचने में लगे वास्तविक समय का विश्लेषण किया जाए। इससे देरी वाले मामलों की पहचान कर उनके कारणों का पता लगाया जा सके और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे। उन्होंने एम्बुलेंस में उपलब्ध जीवनरक्षक उपकरणों की प्रत्येक माह अनिवार्य जाँच सुनिश्चित करने एवं इसके लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मिकों



की जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि एम्बुलेंस सेवा के लिए एक मोबाइल ऐप भी शीघ्र तैयार किया जाए, जिससे रोगी की स्थिति एवं स्थान की जानकारी के आधार पर एम्बुलेंस की आवाजाही और सेवा की निगरानी अधिक सुगमता से की जा सके। उन्होंने सरकारी एम्बुलेंसों को भी आवश्यक सुविधाओं युक्त करते हुए इस व्यवस्था में शामिल करने पर जोर दिया। इससे उपलब्ध एम्बुलेंस की संख्या एवं सेवा की क्षमता बढ़ेगी और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: डॉ. वी.डी. शर्मा

संवाददाता: रजत शर्मा

संरक्षक सलाहकार: डा. अश्विनी काम्बोज

कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)

अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : रामेश्वर दत्त शर्मा

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580